PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Business Bhaskar, Faridabad**
**Wednesday, 23rd February 2011, Page: 2**
**Width: 12.32 cms Height: 13.93 cms, Ref: pmin.2011-02-23.45.38**

# रेनबैक्सी को पांच गुना मुनाफा 40 फीसदी लाभांश घोषित

**बिजनेस भास्कर** • नई दिल्ली

**अग्रणी** फार्मा कंपनी रेनबैक्सी लेबोरेटरीज लिमिटेड (आरएलएल) ने वित्त-वर्ष 2010 के दौरान जबरदस्त मुनाफा कमाया है। 31 दिसंबर, 2010 को खत्म वर्ष में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 1,496.8 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त-वर्ष में कंपनी ने इस मद में 296.5 करोड़ रुपये हासिल किया था। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी की कंसोलिडेटेड शुद्ध अंतरराष्ट्रीय बिक्री 8,550.7 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त-वर्ष के दौरान यह आंकड़ा 7,344.1 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन वर्ष में कंपनी की कुल आय 9,380.95 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त-वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय 7,986.57 करोड़ रुपये थी। वित्त-वर्ष के दौरान शानदार नतीजों के मद्देनजर कंपनी के बोर्ड ने अपने शेयरधारकों को 40 फीसदी यानी दो रुपये प्रति शेयर लाभांश देने का अनुमोदन किया है।

विकासशील बाजारों में कंपनी की बिक्री में 50 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, विकसित देशों से हासिल बिक्री में भी 44 फीसदी इजाफा हुआ है। नतीजों के बारे में कंपनी के प्रबंध निदेशक अरुण सॉहनी ने कहा कि अमेरिका में फर्स्ट टू फाइल (एफटीएफ) अवसरों की बदौलत प्रमुख बाजारों में बेहतरीन राजस्व से कंपनी को यह मुनाफा हासिल हुआ है। लागत के स्तर पर उत्पादन में हमने बेहतर कुशलता हासिल की है। भारतीय बाजार में अग्रणी स्थान लेने के लिए शुरू किया गया प्रोजेक्ट विराट सफलतापूर्वक लांच कर दिया गया है। वर्ष 2011 में इसके नतीजे दिखने शुरू हो जाएंगे। वित्त-वर्ष की आखिरी तिमाही में कंपनी ने अमेरिकी बाजार में अपना एफटीएफ प्रॉडक्ट डोनेपेजिल हाइड्रोक्लोराइड की 5एमजी व 10 एमजी क्षमता वाली टिकिया लांच की। वित्त-वर्ष में कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका में संयुक्त उपक्रम वाली कंपनी सोन्के फार्मास्युटिकल्स को 13 करोड़ डॉलर का ठेका हासिल हुआ। वित्त-वर्ष 2011 के दौरान कंपनी 8,400 करोड़ रुपये बिक्री की उम्मीद कर रही है। पिछले वित्त-वर्ष के नतीजों के मुताबिक कंपनी का रिवाइटल भारत में बिकने वाला छठा सबसे बड़ा फार्मा ब्रांड बन गया है। वर्ष 2010 के दौरान कंपनी के अंतरराष्ट्रीय मैन्यूफैक्चरिंग साइटों पर राष्ट्रीय स्तर के 50 से ज्यादा रेग्यूलेटरी एजेंसी इंस्पेक्शन आयोजित किए गए।

### नतीजों पर नजर

- 9,380.95 करोड़ रुपये रही कुल आय
- 1,496.8 करोड़ रुपये शुद्ध मुनाफा रहा
- 8,550.7 करोड़ रुपये रही अंतरराष्ट्रीय बिक्री
- 50 फीसदी बढ़त विकासशील बाजारों में
- 44 फीसदी बढ़त रही विकसित बाजारों में
- 40 फीसदी लाभांश मिलेगा शेयरधारकों को

Industry.